के.डी.न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 47 सुलतानपुर रविवार 22 दिसम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

नोएडा एयरपोर्ट के किसानों को बड़ा तोहफा, मुआवजा दरें बढ़ीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि यह एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा और अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। 9 दिसंबर को यहां वेलीडेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग हो चुकी है। उन्होने कहा कि अगले साल अप्रैल से यहां से नियमित उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

लखनऊ 21 दिसम्बर (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के विकास के लिए अपनी जमीन देने वाले किसानों को राहत दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित संवाद में उन्होंने तीसरे चरण के भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजा दर 3100 रुपये प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 4300 रुपये प्रति वर्गमीटर करने की घोषणा की। यह मुआवजा ब्याज सहित दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि प्रभावित किसान परिवारों को व्यवस्थापन, रोजगार और सेवायोजन के अवसर दिए जाएंगे।मुख्यमंत्री ने बताया कि यह एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा और अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। 9 दिसंबर को यहां वेलीडेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अगले साल अप्रैल से यहां से नियमित उड़ानें शुरू हो जाएंगी।इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ को मंच पर बुलाकर भूमि अधिग्रहण और प्रभावित किसानों के व्यवस्थापन पर चर्चा की। सीईओ ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के लगभग सभी मामलों में मुआवजा दिया जा चुका है। केवल उत्तराधिकार और वरासत के कुछ प्रकरण लंबित हैं। मुख्यमंत्री ने इन मामलों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।एयरपोर्ट के साथ 40 एकड़ में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉलिंग) हब भी बनाया जाएगा। यह क्षेत्र विमानों के रखरखाव का प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में यह इलाका औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की गतिविधियों का केंद्र बनेगा।जेवर, जो कभी विकास से अछूता था, अब वैश्विक मानचित्र पर चमकेगा। उन्होंने बताया कि दो वर्षों में 1334 हेक्टेयर भूमि यानी करीब 3300 एकड़ का अधिग्रहण बिना विवाद के पूरा हुआ है। यह उपलब्धि क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगी।

चुनाव नियमों में सरकार ने किया बदलाव

इलेक्ट्रानिक रिकार्ड के सार्वजनिक निरीक्षण पर प्रतिबंध

नियम का संशोधित संस्करण कहता है चुनाव से संबंधित इन नियमों में निर्दिष्ट अन्य सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले होंगे। कानून मंत्रालय और चुनाव अधिकारियों ने कहा कि एक अदालती मामले ने सरकार को नियमों में संशोधन करने के लिए प्रेरित किया।

नई दिल्ली 21 दिसम्बर (एजेंसी)केंद्र ने सीसीटीवी फुटेज के साथ–साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों की सार्वजनिक जांच को रोकने के लिए एक चुनाव नियम में संशोधन किया है। इस कदम की कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। जयराम रमेश ने कहा कि यह चुनावी प्रक्रिया की तेजी से खघ्त्म हो रही अखंडता के दावे की पुष्टि है। चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सार्वजनिक जांच के लिए खुले दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित करने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया। चुनाव संचालन नियमों के पहले नियम 93(2)(ए) में कहा गया था कि चुनाव से संबंधित अन्य सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले होंगे।नियम का संशोधित संस्करण कहता है चुनाव से संबंधित इन नियमों में निर्दिष्ट अन्य सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले होंगे। कानून मंत्रालय और चुनाव अधिकारियों ने कहा कि एक अदालती मामले ने सरकार को नियमों में संशोधन करने के लिए प्रेरित किया। ऐसे मामले सामने आए हैं जहां नियमों का हवाला देकर ऐसे इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे गए हैं। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि संशोधन यह सुनिश्चित करता है कि केवल नियमों में उल्लिखित कागजात ही सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध हैं, और कोई भी अन्य दस्तावेज जिसमें नियमों का कोई संदर्भ नहीं है, उसे सार्वजनिक निरीक्षण की अनुमति नहीं है।चुनाव संचालन नियमों में उल्लिखित नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्तियां, परिणाम और चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेज सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध होंगे। हालाँकि, इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे से बाहर होंगे। चुनाव अधिकारियों ने आशंका व्यक्त की कि मतदान केंद्र के अंदर सीसीटीवी कैमरों की अनुमति देने से इसका दुरुपयोग हो सकता है और मतदाता गोपनीयता से समझौता हो सकता है। ऐसी सभी सामग्री फुटेज सहित उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध है।

टोल फ्री ही रहेगा , एनसीआर राज्य में भी पटाखों पर बैन

नई दिल्ली 21 दिसम्बर (एजेंसी) ईडी के आरोपपत्र के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर 30 जनवरी को होगी सुनवाई। डीएनडी फ्लाई ओवर पर सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला। ज्ञानवापी के सर्वे विवाद में मस्जिद पक्ष को जारी हुआ हाईकोर्ट का नोटिस। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एनसीआर में आने वाले राज्य दिल्ली की तरह पूरे साल पटाखों के स्टॉक व बिक्री करें बैन। इस सप्ताह यानी 16 दिसंबर से 21 दिसंबर 2024 तक क्या कुछ हुआ? कोर्ट के कुछ खास ऑर्डरध्जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए है। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।खनौरी बॉर्डर पर भूख हड़ताल के 24वें दिन किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 8–10 मिनट के लिए बेहोश हो गए। वह कैंसर से पीड़ित हैं। मामले की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाई। कहा, 21 दिन से वह भूख हड़ताल पर हैं। क्या आपने उनकी हेल्थ जांच कराई ? अदालत उनसे (डल्लेवाल) बात करेगी, ताकि वह आश्वस्त हो सके। कोर्ट ने कहा कि ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट इरोम शर्मिला ने भी अपनी भूख हड़ताल मेडिकल निगरानी में जारी रखी थी।सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की तरह ही यूपी और हरियाणा को पटाखे पर पूर्ण बैन लगाने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि पटाखे पर बैन तभी प्रभावी हो सकेगा,

केजरीवाल ने शुरू की अंबेडकर स्कालरशिप योजना

विदेश में पढ़ने वाले दलित परिवार के बच्चों का पूरा खर्च उठाएगी दिल्ली सरकार

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि दलित समुदाय का कोई भी व्यक्ति उच्च शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए मैं डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति की घोषणा कर रहा हूं। अब दलित समुदाय का कोई भी छात्र जो दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों में पढ़ना चाहता है, दिल्ली सरकार छात्रों के दाखिले के बाद उनका खर्च वहन करेगी।

नई दिल्ली 21 दिसम्बर (एजेंसी)राज्यसभा में दलित आइकन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर विवाद के बीच आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले दलित छात्रों के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर के नाम पर एक छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने संविधान निर्माता पर अमित शाह के अपमानजनक यान के जवाब में डॉ. अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति योजना शुरू की।आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि दलित समुदाय का कोई भी व्यक्ति उच्च शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए मैं डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति की घोषणा कर रहा हूं। अब दलित समुदाय का कोई भी छात्र जो दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों में पढ़ना चाहता है, दिल्ली सरकार छात्रों के दाखिले के बाद उनका खर्च वहन करेगी। यह छात्रवृत्ति दलित समुदाय के सरकारी कर्मचारियों के लिए भी लागू होगी... हम डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति की घोषणा करके भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जवाब दे रहे हैं जिन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान किया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने अमित शाह पर अंबेडकर का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के बयान से वह और दलित आइकन के करोड़ों अनुयायी आहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि स्वतंत्र भारत में कोई संसद में बाबा साहेब अंबेडकर का मजाक उड़ाएगा। अमित शाह के अपमानजनक बयान के जवाब में, मैं यह घोषणा कर रहा हूं। केजरीवाल ने यह भी कहा कि सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को भी छात्रवृत्ति योजना में शामिल किया जाएगा।

नक्सलियों के 40 संगठनों के नामों का खुलासा किया जाये: योगेन्द्र यादव ने फड़णवीस के बयान पर कहा

योगेंद्र यादव ने देवेन्द्र फड़णवीस से कहा कि वे नक्सलियों के उन 40 संगठनों के नामों का खुलासा करें, जिन्होने 'भारत जोड़ो यात्रा' में कथित तौर पर हिस्सा लिया था। यादव ने फड़णवीस को इन संगठनों के नामों का खुलासा करने और यह स्पष्ट करने की चुनौती दी कि नेपाल में कथित बैठक किस बैनर तले आयोजित की गई थी।

लातूर 21 दिसम्बर (एजेंसी) सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से कहा कि वे नक्सलियों के उन 40 संगठनों के नामों का खुलासा करें, जिन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' में कथित तौर पर हिस्सा लिया था। उनकी मांग ऐसे समय में आई है जब दो दिन पहले फड़णवीस ने विधानसभा में आरोप लगाया था कि'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुए 180 संगठनों में से 40 को महाराष्ट्र और केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकारों द्वारा नक्सलियों का मुखौटा संगठन घोषित किया गया था।'भारत जोड़ो अभियान' के राष्ट्रीय संयोजक ने महाराष्ट्र के लातूर शहर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूछा,''महात्मा गांधी के अनुयायी होने के नाते हमें नक्सलवादी कैसे कहा जा सकता है?'' एक सवाल के जवाब में यादव ने फड़णवीस को इन संगठनों के नामों का खुलासा करने और यह स्पष्ट करने की चुनाती दी कि नेपाल में कथित बैठक किस बैनर तले आयोजित की गई थी।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि 15 नवंबर को काठमांडू में एक बैठक हुई थी जिसमें (राहुल गांधी के नेतृत्व वाली) भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने वाले कुछ संगठनों ने भाग लिया था और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का विरोध तथा राज्यों में मतपत्र व्यवस्था लागू करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई थी। यादव ने कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हार गया, क्योंकि वे लोकसभा चुनावों में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर निर्णायक रुख अपनाने में विफल रहे। उन्होंने दावा किया, ''वे विधानसभा चुनाव बुरी तरह हार गए क्योंकि विपक्षी सहयोगी एकजुट रणनीति नहीं बना सके।'' यादव ने कहा कि 'भारत जोड़ो अभियान' संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा, ''आज राष्ट्र और लोकतंत्र की नींव पर हमला हो रहा है। हमारी विचारधारा संविधान की प्रस्तावना में निहित है, जो हमारा मार्गदर्शक दर्शन है।'' यादव ने कहा, ''अभियान किसी राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं है, लेकिन हम उन लोगों का समर्थन करेंगे जो भाजपा को हरा सकते हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डालने के लिए नए कानून बनाने की योजना बना रही है।

महाराष्ट्र चुनाव में बुरी हार से सीख,

बीएमसी चुनाव अकेले लड़ सकती है शिवसेना यूबीटी, संजय राउत ने दिया बड़ा संकेत

बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे और पार्टी के अन्य नेताओं के बीच अकेले चुनाव लड़ने के बारे में बातचीत चल रही है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी अकेले चुनाव लड़े।

नई दिल्ली 21 दिसम्बर (एजेंसी) महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के साथ सब कुछ ठीक नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को संकेत दिया कि उनकी पार्टी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में अकेले चुनाव लड़ सकती है। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि संगठन स्थानीय निकाय चुनावों में अकेले उतरे, क्योंकि लोकसभा या राज्य विधानसभा चुनावों की तुलना में अधिक उम्मीदवार हैं। बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे और पार्टी के अन्य नेताओं के बीच अकेले चुनाव लड़ने के बारे में बातचीत चल रही है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी अकेले चुनाव लड़े।अविभाजित शिवसेना ने 1997 से 2022 तक लगातार 25 वर्षों तक नकदी से भरपूर बीएमसी को नियंत्रित किया। बीएमसी के पिछले निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल मार्च 2022 की शुरुआत में समाप्त हो गया, और अब लगभग तीन वर्षों के लिए नए चुनाव होने हैं। राउत ने कहा कि मुंबई में पार्टी की शक्ति निर्विवाद है। उन्होंने कहा कि अगर हमें (विधानसभा चुनाव के दौरान) मुंबई में चुनाव लड़ने के लिए अधिक सीटें मिलतीं, तो हम उन्हें जीत लेते। उन्होंने दावा किया कि मुंबई जीतना जरूरी था, नहीं तो यह शहर महाराष्ट्र से अलग हो जाता।शिवसेना ने मुंबई में 24 सीटों पर चुनाव लड़ा और 10 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे और चार सीटें हासिल कीं, और एनसीपी (एसपी) ने दो सीटों पर चुनाव लड़ा और असफल रही। यहां तक घ्कि जब (अविभाजित) शिवसेना भाजपा के साथ (गठबंधन में) थी, तब भी हमने बीएमसी और अन्य नागरिक निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़े। हम इसे करने के तरीके ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं। एमवीए पुणे, पिंपरी–चिंचवाड़ और नासिक नागरिक निकायों में मौजूद रहेगा।

ललित मोदी चाहते हैं कि उनका म्क जुर्माना अदा करे, कोर्ट ने उन पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली 21 दिसम्बर (एजेंसी)बॉम्बे हाईकोर्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग (प्च्स्) के संस्थापक ललित मोदी पर एक श्तुच्छश और श्पूरी तरह से गलतश याचिका दायर करने के लिए 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें क्रिकेट नियामक ठब्ब् को उन पर प्रवर्तन निदेशालय (म्क्) द्वारा लगाए गए 10.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। मोदी ने कोर्ट से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) को मई 2018 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (थ्म्ड।) के तहत उल्लंघन के लिए केंद्रीय धन शोधन निरोधक एजेंसी द्वारा उन पर लगाए गए। 10.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करने के लिए अंतरिम निर्देश मांगा था।मोदी ठब्ब् के उपाध्यक्ष थे और उस दौरान उन्हें प्च्स् शासी निकाय, ठब्ब् की एक उपसमिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। याचिका में दावा किया गया है कि उपनियमों के अनुसार, ठब्ब् को मोदी को क्षतिपूर्ति देनी होगी।पीठ ने कहा, ष्ईडी द्वारा याचिकाकर्ता (मोदी) पर लगाए गए जुर्माने के संदर्भ में याचिकाकर्ता (मोदी) की कथित क्षतिपूर्ति के मामलों में, किसी भी

भाजपा सीटी रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा कर जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही :शिवकुमार

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा भाजपा नेता और एमएलसी सी.टी. रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा करके पार्टी एक महिला मंत्री के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक का इस्तेमाल करने के मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

बेंगलुरु 21 दिसम्बर (एजेंसी) कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा भाजपा नेता और एमएलसी सी.टी. रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा करके पार्टी एक महिला मंत्री के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक का इस्तेमाल करने के मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। 'अंतरात्मा की आवाज' को महत्वपूर्ण करार देते हुए उन्होंने राज्य में भाजपा नेतृत्व पर रवि का समर्थन करने के लिए निशाना साधा, जिन्हें राज्य की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।शुक्रवार को रवि की रिहाई के उच्च न्यायालय के आदेश से संबंधित एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''उनसे (भाजपा से) पूछिए कि उन्होंने (रवि) जो कहा वह सही था या नहीं। बाकी चीजों पर बाद में चर्चा करेंगे। यह उनकी पार्टी और नेता की संस्कृति को दर्शाता है... अदालत में जो हुआ, उसे उन पर (रवि) और पुलिस पर छोड़ दिया गया है। मुख्य मुद्दा उनकी और उनकी संस्कृति है।'' उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि रवि ने अतीत में कई लोगों के खिलाफ अपमानजनक का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि रवि एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता हैं और ''क्या महिलाओं के बारे में इस तरह से बोलना उनके लिए सही है।'' रवि ने बृहस्पतिवार को विधान परिषद में हेब्बालकर के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया था। रवि को बृहस्पतिवार शाम को गिरफ्तार किया गया और सुवर्ण विधान सौध के परिसर से पुलिस वैन में ले जाया गया। हेब्बालकर की शिकायत के आधार पर, भाजपा नेता रवि के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 75 (यौन उत्पीड़न) और धारा 79 (किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कार्य) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

निस्तेज विपक्ष देश को कब तक अंधेरों में धकेलेगा?

बाबा साहेब आंबेडकर पर घडियाली आंसू बहाने वाला विपक्ष एवं विशेषतः कांग्रेस यह भूल रही है कि आंबेडकर का सर्वाधिक अपमान एवं उपेक्षा इन्हीं दलों ने की है। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आंबेडकर को पसन्द नहीं करते थे।

ललित गर्ग ।

विपक्ष बात–बात पर तू–तू, मैं–मैं करते हुए बात का बतंगड़ बनाकर देश का भारी नुकसान कर रहा है। संसद को चलने नहीं दे रहा है, आधे–अधूरे बयान के हिस्से को प्रचारित कर घटिया एवं सस्ती राजनीति करते हुए देश को गुमराह कर रही है। बेबुनियाद एवं भ्रामक मुद्दों को उछाल कैसे गुल खिलाये, कैसे देश को अंधेरों में धकेला जाये, इसी फिराक में कांग्रेस एवं समूचा विपक्ष दिनरात लगा है, इसका प्रमाण है गत दिवस संसद में गृह मंत्री अमित शाह के डा. आंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर विपक्ष का हंगामा, तीखी नोकझोंक एवं होहल्ला। इस हंगामे का आधार यह है कि गृह मंत्री ने यह कह कर आंबेडकरजी का अपमान कर दिया कि यदि आंबेडकर, आंबेडकर करने वाले इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। मुश्किल यह है कि हंगामा करने वाले यह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि आखिर ऐसा कहने से आंबेडकरजी का अपमान कैसे हो गया? विडम्बना देखिये कि आजादी के बाद से अब तक आंबेडकर का अपमान करने, तिरस्कार करने एवं उनकी उपेक्षा करने वाला दल एकाएक उनका इतना हिमायती कैसे हो गया? यह सारा हंगामा विपक्ष इसलिये कर रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी ने आंबेकडर को शीर्ष राष्ट्रनायकों में शुमार कर किया है और उनकी नीतियों, सिद्धान्तों एवं मूल्यों को राजनीति का अहम हिस्सा बनाया है। विपक्ष डरा हुआ है कि भाजपा आंबेडकर को आजादी के बाद प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह के बाद उचित स्थान देकर दलित समुदाय के हितों की वास्तविक चिन्ता की है, जिससे दलित वोट भाजपा के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है। इसलिये शाह के बयान को तोड़–मरोड एवं आधा–अधूरा प्रस्तुत कर बेवजह का हंगामा करने पर तुले विपक्ष एवं उनके नेताओं ने जो एवं जैसे तर्क दिए हैं वे विचित्र ही नहीं, हास्यास्पद भी हैं।बाबा साहेब आंबेडकर पर घडियाली आंसू बहाने वाला विपक्ष एवं विशेषतः कांग्रेस यह भूल रही है कि आंबेडकर का सर्वाधिक अपमान एवं उपेक्षा इन्हीं दलों ने की है। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आंबेडकर को पसन्द नहीं करते थे। क्योंकि आंबेडकर मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेस नीति से नाखुश थे। उनका मत था कि धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ है, अतः सभी मुस्लिम को भारत छोड़ देना चाहिए? गांधी और नेहरू ने इस विचारधारा का विरोध किया? गांधी तो विरोध में भूख हड़ताल पर बैठ गए? बाबा साहेब ने गांधी से समझौता कर संविधान को मुस्लिम के अनुसार ड्राफ्ट कर दिया? फिर भी नेहरू बाबा साहेब के विरुद्ध लगातार लगे रहे। यहां तक आंबेडकर के चुनाव लड़ने पर नेहरू ने उनके खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी खड़ा कर उन्हें हरवा दिया? विडम्बना देखिये कि आंबेडकर के सचिव नारायण सदोबा काजरोलकर को उनके खिलाफ खड़ा कर दिया। कांग्रेस ने न केवल दो बार उन्हें चुनाव में हराया बल्कि केन्द्र सरकार में उनकी घोर उपेक्षा लगातार जारी रखी। इसी से नाराज होकर आंबेडकर ने मंत्री पद से इस्तिफा देते हुए नेहरू पर गंभीर आरोप लगाये। इतना ही नहीं आंबेडकर ने स्वयं के बनाये संविधान को जला देने की बात भी इसलिये कही थी कि संविधान का संचालन गलत हाथों में है।इतिहास की इन त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों के बावजूद आखिर कांग्रेस किस आधार पर आंबेडकर की तस्वीरें लेकर संसद परिसर में विरोध कर रही है। अपने आरोप को पुष्ट करने के लिए विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस नेता गृह मंत्री के बयान के एक हिस्से को तो प्रचारित कर रहे हैं लेकिन उसके शेष हिस्से को सुनने के लिए तैयार नहीं, जिसमें उन्होंने कहा था कि डा. आंबेडकर का नाम लेने वालों ने किस तरह उनके विचारों के खिलाफ काम किया और उन्हें अपमानित करने में भी संकोच नहीं किया। लगता है कांग्रेस को यही नागवार गुजरा और इसी कारण वह संसद के भीतर–बाहर इस मामले को तूल देने में जुट गई। इसे तूल देने के लिए उसके नेताओं की ओर से संसद के दोनों सदनों में आज भी हंगामा बरपाया कि दोनों दलों के सांसदों के बीच मकर द्वार पर धक्कामुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी के सिर में चोट देखी गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल सांसद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया, जो मेरे ऊपर गिरे। आरोप पर जवाब देते हुए राहुल ने कहा कि हां! ऐसा हुआ। वे हमें प्रवेश द्वार पर रोकने की कोशिश रहे थे। ये तर्क एवं त्रासद स्थितियां संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाली है। कांग्रेस के तर्कों का स्तर न केवल राजनीतिक विमर्श का गिराने वाला ही नहीं, बल्कि यह बताने वाले भी हैं कि नेतागण किस तरह तिल का ताड़ बनाने में माहिर हो गए हैं। कांग्रेस भाजपा के बारे में तथ्यहीन एवं भ्रामक अफवाहें फैला रही है। कांग्रेस नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक गरीब और बेरोजगारी का गीत गाते रहे हैं, लेकिन उनके शासनकाल में न तो गरीब खत्म हुए और न बेरोजगारी? नीयत में खोट और अनुभवहीनता का जब सत्ता प्राप्ति के संदर्भ में समन्वय हो जाता है, तो ऐसी हास्यास्पद स्थितियां निर्मित हो जाती हैं। भारत की राजनीति में इस समय यही स्थिति बन गई है।राजनीतिक बहस का स्तर इतना छिछलादार, स्तरहीन एवं बेबुनियाद नहीं होना चाहिए। झूठ को जोर–जोर से चिल्लाकर कहने से वह सच नहीं हो जाता। यह अच्छा हुआ कि गृह मंत्री ने अपने बयान पर कोई सफाई देने के बजाय दो टूक यह कहना उचित समझा कि उनके पूरे वक्तव्य को सुना जाए। वैसे यह तय है कि विपक्षी नेता ऐसा नहीं करने वाले, क्योंकि उन्हें यही साबित करना है कि आंबेडकरजी का अपमान हो गया, संविधान खतरे में आ गया इसलिये गृहमंत्री को अपने पद से इस्तिफा दे देना चाहिए। आखिर इसे मूर्खतापूर्ण राजनीति न कहा जाए तो क्या कहा जाए? इस पर हैरानी नहीं कि राहुल गांधी को फिर से यह नजर आने लगा कि मोदी सरकार संविधान बदलने जा रही है। कांग्रेस नेता गृह मंत्री के बयान को लेकर आसमान सिर पर उठाने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस सच को नहीं छिपा सकते कि उनके शासनकाल में डा. आंबेडकर की किस तरह उपेक्षा और अनदेखी की गई। इसका सबसे बड़ा प्रमाण तो यही है कि जहां जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को तो उनके जीवनकाल में ही भारत रत्न से सम्मानित कर दिया गया, लेकिन आंबेडकरजी को यह सम्मान दशकों बाद 1990 में मिल सका। यहां तक संसद के केन्द्रीय कक्ष में मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू एवं इन्दिरा गांधी की तस्वीरें तभी लग गयी लेकिन आंबेडकर की तस्वीर वी.पी. सिंह ने प्रधानमंत्री रहते लगायी गयी। क्या कांग्रेस बता सकेगी कि ऐसा क्यों हुआ? क्यों आंबेडकर की लगातार उपेक्षा होती रही?डा. आंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 के अपने ऐतिहासिक भाषण में यह कहा था कि संविधान कितना अच्छा होगा, यह आगे चलकर उसे चलाने वालें सत्ता नेतृत्व की मानसिकता एवं नीयत पर निर्भर करेगा। 1975–77 में यह शब्दशः सत्य सिद्ध हुआ, जब पद पर बने रहने की लालसा ने संविधान के साथ अत्याचार करते हुए आपातकाल लागू किया गया, जिसे इतिहास भूलेगा नहीं। लेकिन आज जो संविधान बचाने का शोर सुनाई दे रहा है और जिसकी प्रति संसद से संभल तक लहराई जा रही है, वह देश का ध्यान भटकाने की कोशिश मात्र है, जनता को गुमराह करने की कुचेष्टा मात्र है। निश्चित ही यह दयनीय, विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद है कि सत्ता पाने के लिए व्याकुल लोगों की व्यग्रता अब घातक उग्रता के रूप में प्रकट हो रही है। संसद के कार्य संचालन में जैसे व्यवधान डाले जा रहे हैं, वे न तो भारत के संविधान के प्रति कोई आदरभाव प्रकट करते हैं, न ही आंबेडकर के प्रति कोई श्रद्धा प्रकट करते हैं। आज हमारे विपक्ष के पास एक भी ऐसा नेता नहीं है जो इस स्थिति से देश को बाहर निकाल सके, राष्ट्रीय चरित्र को जीवित रखने का भरोसा दिला सके। प्रश्न है कि निराश करने वाला विपक्ष देश को कब तक अंधेरों में धकेलता रहेगा?

सम्पादकीय

न नेशन, वन इलेक्शन से विकास की नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा देश

सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा।

देश सचमुच बदल रहा है। न सिर्फ बदल रहा है, बल्कि शक्तिशाली हो रहा है। लोकतंत्र सशक्त हो रहा है। वैश्विक स्तर पर देश का मान बढ़ रहा है। देश में आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता आई है। अभी जिस समय देश संविधान अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने का उत्सव मना रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक देश, एक चुनावक्य के लिए बनाए गए दो विधेयक को मंजूरी दे दी है। संसद के शीतकालीन सत्र में इसके लिए सरकार दो विधेयक पेश करेगी। इनके जरिए संविधान के अनुच्छेद 82ए, 83, 172 और 327 में संशोधन का प्रस्ताव रखा जाएगा। इससे लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने और लोकसभा व सभी विधानसभाओं के कार्यकाल से जुड़े जरूरी बदलाव किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इससे पहले सितंबर में पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट मंजूर कर ली थी, जिसकी सिफारिशों के आधार पर ये विधेयक तैयार किए गए है।

श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार विमर्श किया था। उनकी समिति के सामने अनेक विपक्षी पार्टियों ने सारे चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन ज्यादातर पार्टियां इस विचार के समर्थन में थीं। चुनाव आयोग और आम लोगों से भी समिति ने राय ली थी। इसके बावजूद सरकार अपने संपूर्ण बहुमत के दम पर एकतरफा तरीके से इन विधेयकों को नहीं पास कराने जा रही है। सरकार इस मामले में आम राय बनाने का प्रयास कर रही है। इसलिए संविधान संशोधन के विधेयक पेश करने के बाद उसे संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी को भेजा जा सकता है, जहां सभी पार्टियों के सांसद इस पर विचार करेंगे। यह समिति सभी संबंधित पक्षों से सलाह मशविरा करेगी और आम लोगों की राय भी लेगी। उसके बाद सहमति बना कर इसे पास कराया जाएगा। वैसे सरकार जब चाहती तब इसे पास करा सकती थी क्योंकि ये साधारण संशोधन हैं जिनके लिए संसद में साधारण बहुमत की जरूरत है और राज्यों की विधानसभा से मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी सरकार आम सहमति का रास्ता अपनाएगी।जिस समय श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति बनाई गई थी तभी से इसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष पूछ रहा है कि इसका क्रियान्वयन कैसे होगा? अगर 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ सभी राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव कराने हैं तो अगले चार साल में होने वाले विधानसभा चुनावों का क्या होगा? यह भी पूछा जा रहा है कि अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं का कार्यकाल तय कर दिया जाएगा तो बीच में सरकार ने बहुमत गंवाया या सरकार गिरी तब क्या होगा? क्या वहां राष्ट्रपति शासन लगा रहेगा और अगले लोकसभा चुनाव के साथ ही वहां चुनाव होगा? वैसे इन सभी सवालों का जवाब सरकार की ओर से प्रस्तावित विधेयक में मिल जाएगा। परंतु अगर राजनीतिक पूर्वाग्रह छोड़ दें तो इन सवालों के जवाब बहुत मुश्किल नहीं हैं। कुछ विधानसभाओं के कार्यकाल बढ़ा कर और कुछ के कार्यकाल घटा कर सभी विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा के साथ कराए जा सकते हैं।जहां तक बीच में सरकार गिरने का सवाल है तो पिछले काफी समय से मध्यावधि चुनाव का चलन समाप्त हो गया है। पिछले एक दशक से ज्यादा समय से दिल्ली के एक अपवाद को छोड़ दें तो किसी राज्य में मध्यावधि चुनाव की नौबत नहीं आई है।

अब उद्धव-राहुल आमने-सामने

राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता ने अब महाराष्ट्र में कांग्रेस को मुसीबत में डाल दिया है। महाराष्ट्र कभी कांग्रेस का मजबूत गढ़ हुआ करता था। शिवसेना का गठन करने के बाद भी बाला साहब ठाकरे कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ नहीं पाये थे लेकिन शरद पवार के दल–बल के साथ अलग होने के बाद कांग्रेस कमजोर हो गयी थी। अर्से बाद उद्धव ठाकरे ने जब भाजपा का साथ छोड़ा और कांग्रेस व एनसीपी की मदद से मुख्यमंत्री बने तो कांग्रेस को मजबूत होने का अवसर मिला। लोकसभा चुनाव 2024 में इसका नतीजा भी सामने आया जब कांग्रेस को सबसे ज्यादा 13 सांसद मिले। हालांकि राहुल गांधी उस समय भी सावरकर की आलोचना कर रहे थे और उद्धव ठाकरे उस आलोचना पर आपत्ति भी जताते थे। अब विधानसभा चुनाव में जब कांग्रेस 16 विधायकों तक सिमट गयी, तब उद्धव ठाकरे ने वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग उठा दी है। शिवसेना का गठन बहुत हद तक हिन्दुत्व के संस्थापक विचार के रूप में देखा जाता है। इसलिए राहुल गांधी इस बात का समर्थन कभी नहीं करेंगे कि वीर सावरकर को भारत रत्न की उपाधि दी जाए। राहुल गांधी कई बार कह चुके हैं कि सावरकर ने अंडमान जेल में रहते हुए ब्रिटिश सरकार से माफी मांगी थी। इस प्रकार विपक्ष के दो बड़े नेता राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे आमने–सामने आ गये हैं। उद्धव ने नेतृत्व को लेकर भी ममता का साथ दिया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की हार के बाद अब घटक दलों में टकराव के हालत बन रहे हैं। सावरकर के मुद्दे पर शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस के बीच हमेशा से विवाद रहा है। जहां एक तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी सावरकर के मुद्दे पर बीजेपी पर हमलावर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे की पार्टी सावरकर के सम्मान की लड़ाई लड़ती रही है। अब एक बार फिर सावरकर के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में टकराव की नौबत आने वाली है। उद्धव ठाकरे ने सावरकर के लिए केंद्र सरकार से भारत रत्न की मांग की है।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्र सरकार से सवाल पूछा। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी द्वारा विनायक दामोदर सावरकर का विरोध ऐतिहासिक और वैचारिक दृष्टिकोण से जुड़ा रहा है। सावरकर के प्रति उनका विरोध वैचारिक रहा है। सावरकर हिंदुत्व के प्रमुख विचारक थे। उन्होंने हिंदुत्व को हिंदू धर्म से अलग एक सांस्कृतिक और राजनीतिक विचारधारा के रूप में प्रस्तुत किया था। राहुल गांधी सावरकर की हिंदुत्व–आधारित विचारधारा का विरोध करते रहे हैं। कांग्रेस का मानना है कि सावरकर की विचारधारा देश को विभाजित कर सकती है और इसे धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण की ओर ले जा सकती है। सावरकर महाराष्ट्र के महान नेता, स्वतंत्रता सेनानी और विचारक के रूप में जाने जाते हैं। उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि महाराष्ट्र थी, और राज्य में उनकी एक मजबूत सांस्कृतिक पहचान है। महाराष्ट्र की जनता सावरकर को न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखती है, बल्कि एक स्वाभिमानी नेता और 'हिंदुत्व' के नेता के तौर पर देखती है। शिवसेना, जो मूल रूप से मराठी अस्मिता और हिंदुत्व के सिद्धांतों पर आधारित है, सावरकर का समर्थन करके अपने मराठी और हिंदुत्ववादी आधार को मजबूत बनाए रखना चाहती है। सावरकर के मुद्दे पर बीजेपी और शिवसेना का कांग्रेस के साथ पुराना टकराव रहा है। बीजेपी की तरफ से सावरकर को भारत रत्न देने की पुरानी मांग रही है। वर्ष 2000 में वाजपेयी सरकार ने तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन के पास सावरकर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन उन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया था। उस समय भी सरकार के कदम का कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया था। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को अच्छी सफलता मिली थी। उद्धव ठाकरे की पार्टी के पास लोकसभा में 9 सांसद हैं। ऐसे में अगर इंडिया गठबंधन में कोई फूट होती है तो इसका सीधा लाभ बीजेपी और केंद्र सरकार को होगा। महाराष्ट्र में मिली करारी हार के बाद उद्धव ठाकरे भी मराठा राजनीति और हिंदुत्व की तरफ वापसी कर सकते हैं। ऐसे में अगर यह विवाद बढ़ता है तो केंद्र सरकार जो कि अभी बहुमत के लिए जदयू और टीडीपी जैसे दलों पर निर्भर है, उसकी निर्भरता कम होगी।

सीधे तौर पर उद्धव ठाकरे का बयान केंद्र सरकार पर उनके हमले के तौर पर देखा जा सकता है। हालांकि जब हम इसके तह में पहुंचते हैं कि सावरकर को भारत रत्न की मांग इंडिया गठबंधन के सहयोगी की तरफ से कांग्रेस को असहज करने वाली हो सकती है। दूसरी तरफ शिवसेना का गठन बहुत हद तक हिंदुत्व की विचारधारा पर आधारित है। सावरकर को 'हिंदुत्व' के संस्थापक विचारक के रूप में देखा जाता है। शिवसेना अक्सर सावरकर के हिंदुत्व की तुलना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'हिंदुत्व' से अलग करती है। शिवसेना महाराष्ट्र की मराठी अस्मिता को अपनी राजनीति का केंद्र मानती है। सावरकर को महाराष्ट्र का गौरव मानती है। जब शिवसेना ने महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में कांग्रेस के साथ सरकार बनाई, तब भी उद्धव ठाकरे ने स्पष्ट किया कि सावरकर पर उनकी पार्टी का रुख कभी नहीं बदलेगा।

कांग्रेस की बात करें तो राहुल गांधी ने कई बार यह कहा है कि सावरकर ने अंडमान जेल में रहते हुए ब्रिटिश सरकार से माफी मांगी थी और खुद को रिहा करने का अनुरोध किया था। इसे राहुल गांधी 'वीरता' के विपरीत मानते हैं और इस पर सवाल उठाते हैं। कांग्रेस और कई अन्य पार्टियों का कहना है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सावरकर ने माफी मांगकर ब्रिटिश सरकार के साथ समझौता किया, जबकि गांधी, नेहरू, भगत सिंह जैसे अन्य नेता जेल में कठोरता से डटे रहे थे। सावरकर पर महात्मा गांधी की हत्या की साजिश का आरोप भी लगा था। हालांकि उन्हें अदालत में बरी कर दिया गया था। राहुल गांधी भाजपा और आरएसएस की विचारधारा का विरोध करते हुए सावरकर के मुद्दे को उठाते हैं।

यह विवाद ऐसे समय हो रहा है जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने की मांग उठ रही है। लालू यादव, शरद पवार से लेकर संजय राउत ने भी ममता बनर्जी को प्रमुख भूमिका देने की बात कही है। इस बीच ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व में बदलाव की चर्चाओं पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है, उन्होंने इस पद के लिए उनका समर्थन करने वाले विपक्षी नेताओं को धन्यवाद दिया है।कांग्रेस नेता इससे असहमति जताते हैं। बता दें कि वर्तमान में कांग्रेस सावरकर ने अंडमान जेल में रहते हुए ब्रिटिश सरकार से माफी मांगी थी और खुद को रिहा करने का अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्षी गठबंधन की अध्यक्षता कर रहे हैं। **(हिफी)**

संविधान निर्माता अम्बेडकर के अपमान पर मचे सियासी तूफान के पूंजीवादी एजेडे को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे ।

वहीं, कभी कांग्रेस और कभी भाजपा के बर्चस्व वाली संसद मजबूत कानूनों को पूंजीपतियों के लिहाज से कमजोर करती रही, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, परिवहन आदि के क्षेत्रों में व्याप्त अराजकता बढ़ती चली गई। यह आज भी जारी है।

लीजिए, हमारे विपक्षी नेताओं को एक और अपमानजनक मुद्दा मिल गया, ताकि संसद की जनहितकारी कार्यवाही को बाधित कर दिया जाए और सड़क से संसद तक हंगामा खड़ा करके लोगों को गोलबंद किया जाए। इससे मिशन आम चुनाव 2029 की विपक्षी राह आसान हो जाएगी। बताया जाता है कि एक संसदीय चर्चा के दौरान संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह कह दिया है कि आजकल आंबेडकर का नाम लेना सियासी फैशन हो गया है। इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों के लिए स्वर्ग मिल जाता। बकौल शाह, 'आंबेडकर–आंबेडकर–आंबेडकर क्यों कह रहे हो? आप अगर भगवान–भगवान कहेंगे तो 7 पीढ़ियां आपकी स्वर्ग में जाएंगी।' बस इसी बयान को लेकर प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी का विरोध करना शुरू कर दिया है।

इस प्रकार विभिन्न दलों के समर्थन–विरोध और बचाव की सियासत के बीच संसद में धक्कामुक्की तक की नौबत आई गई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व उनके साथियों के विरुद्ध भाजपा नेताओं द्वारा एफआईआर तक दर्ज करवाना पड़ा। उधर, कांग्रेस ने भी भाजपा सांसदों के खिलाफ शिकायत दी है। इससे बिखरते इंडिया गठबंधन को थोड़ी सी राहत भी मिल गई, क्योंकि जो नेता राहुल गांधी का विरोध करते थे, वही अब उनकी भाषा पुनः बोलने लगे।

चूंकि फरवरी 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव और नवम्बर 2025 में ही बिहार विधानसभा चुनाव की सियासी वैतरणी पार करनी होगी, तो मुद्दा चाहिए। इसलिए कांग्रेस ने मनमाफिक मुद्दा ढूंढ लिया। भाजपा ने अपनी नीतियों से मुसलमानों को उसके लिए बुक ही कर दिया है और भाजपा से दलितों को हड़पने के लिए वह संविधान बदलने से लेकर अम्बेडकर के अपमान तक के मुद्दे को हवा दे चुकी है। ऐसा इसलिए कि कांग्रेस का 'दम समीकरण' दलित–मुस्लिम गठजोड़ मजबूत हो। बता दें कि इसी को मजबूत करते करते लोकजनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्व. रामविलास पासवान और उनके पुत्र केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भाजपा की गोद में जा बैठे।

वहीं, दम समीकरण की दूसरी प्रबल पैरोकार समझी गईं बसपा नेत्री और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की सियासी दुर्गति आपलोग देख ही रहे हैं, जिनपर भाजपा की बी टीम होने के आरोप लगते आए हैं। इसलिए इसी दम समीकरण पर अपना दावा मजबूत करते करते कांग्रेस क्या गुल खिलाएगी, अभी कहना जल्दबाजी होगी। क्योंकि इसी समीकरण ने लोकसभा चुनाव 2024 में उसे 10 वर्षों के सियासी दुर्दिन से मुक्ति दिलाई है। यह बात दीगर है कि कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष बनते ही उसकी सियासी सौतनों यानी इंडिया गठबंधन के साथी दलों की नींद उड़ चुकी है। इसलिए हरियाणा और महाराष्ट्र में दलितों के छिटकते ही विपक्षी आलोचना का केंद्रबिन्दु बनी कांग्रेस ने अंबेडकर के अपमान को ऐसा तूल दिया और आक्रामक रणनीति अपनाई कि संसद में धक्कामुक्की कांड हो गया। इससे राहुल गांधी पुनः विपक्षी नेताओं के हीरो बनते प्रतीत हो रहे हैं।अब उम्मीद की जा रही है कि कांग्रेस इस मुद्दे से ही दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनावों के बाद 2027 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव और फिर 2028 में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों को जीतने की रणनीति बनाएगी। चूंकि इसी बीच कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, पश्चिम बंगाल आदि विधानसभाओं के भी चुनाव इलेक्शन कैलेंडर के मुताबिक होंगे, इसलिए कांग्रेस जातिगत जनगणना के बाद अंबेडकर के अपमान को भी मुख्य मुद्दा बनाएगी। क्योंकि भाजपा भी इन्हीं दोनों मुद्दों पर कांग्रेस के ऊपर तार्किक सवाल उठाती आई है।राजनीतिक टिप्पणीकारों की बातों पर गौर करें तो राष्ट्रपति महात्मा गांधी, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, महात्मा गांधी के हत्यारोपीश हिंदूवादी नेता वीर सावरकर, और अब संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराम अम्बेडकर के ऊपर हुई सियासी टीका–टिप्पणी कोई नई बात नहीं है, बल्कि नई बात तो यह है कि गांधी–नेहरू का अपमान सहते रहने वाली कांग्रेस ने अम्बेडकर के अपमान को सियासी मुद्दा बनाकर एक तीर से दो शिकार कर रही है। पहला तो यह कि दलितवादी दलों और ओबीसी की राजनीति करने वाले दलों से वह मुद्दे लपक चुकी है और इसी को धार दे रही भाजपा को जन कठघरे में खड़ा करके अपना सियासी उल्लू सीधा करने की कवायद तेज कर चुकी है। अपने देखा होगा कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, राममनोहर लोहिया, वीपी सिंह, लालूप्रसाद, मान्यवर कांशीराम, मायावती, रामविलास पासवान, लालकृष्ण आडवाणी, अटलबिहारी बाजपेयी आदि अनगिनत नेताओं के ऊपर सियासी टिपण्णी हुई, लेकिन बात का इतना बतंगड़ कभी नहीं बना।कभी आजादी, कभी आरक्षण, कभी समता, कभी समरसता, कभी वामपंथ, कभी समाजवाद और कभी राष्ट्रवाद के सवाल पर सियासत हुई। रोटी कपड़ा और मकान के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान की सियासत भी हुई। जय जवान, जय किसान से लेकर जय विज्ञान तक के उदघोष हुए। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास तक की बातें हुईं। लेकिन जनता की माली हालत उबचुब करती रही। पिछले तीन दशकों में अमीरी और गरीबी की खाई हर रोज चौड़ी हो रही है। एक और कड़वी सच्चाई यह है कि निर्वाचित नेताओं की आय रॉकेट की गति से बढ़ रही है, पर समतामूलक समाज स्थापित करने के संवैधानिक प्रयत्न नदारत रहे। क्योंकि जब भी सर्वहितकारी कुछ बात शुरू हुई तो दलित, आदिवासी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों को कानूनी ढाल बना दिया गया। कुछ लोगों को आरक्षण दिया गया और उनका समर्थन हासिल करके कहीं पारिवारिक राजनीति को मजबूत किया गया तो कहीं राजकोषीय लूट मचाई गई। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह कि कहीं कोई प्रशासनिक और न्यायिक संतुलन स्थापित करने की कोशिश नहीं की गई। या तो कानून स्वहित के अनुरूप बने या फिर परिभाषित किये गए। दुष्प्रभाव सबके सामने है। हिंसा–प्रतिहिंसा और असमानता हमारी नियति बन चुकी है।यह कड़वी सियासी सच्चाई यह है कि सन 1990 के दशक के पूर्वार्द्ध से देश में लागू इन्हीं आर्थिक नीतियों के दुष्परिणाम स्वरूप भारतीय संसद जनहितकारी मुद्दों से अपना पिंड छुड़ाती हुई प्रतीत हो रही है और सिर्फ पूंजीवादी एजेंडों को पूरा करने की गरज से जनमानस के बीच भावनात्मक मुद्दों को हवा दे रही है। इन नीतियों को देश में लागू करने वाली कांग्रेस और फिर बाद में उसकी समर्थक बन चुकी भाजपा (स्वदेशी आंदोलन को भूलकर) ने पूंजीवादी राजनीति को इतनी हवा दी कि क्षेत्रीय सियासत ही हाशिए पर आ गई। इसलिए क्षेत्रीय दलों को भाजपा और कांग्रेस के इस सियासी पेंच को समझना चाहिए, लेकिन ये भी इन दोनों दलों के गठबंधन के मोहरे बन चुके हैं। ऐसा सिर्फ इसलिए कि सियासत के लिए जो जरूरी आर्थिक खाद–पानी चाहिए, वो सिर्फ पूंजीवादी कम्पनियां ही पूरी कर सकती है। आप गौर कीजिए कि 1990 के दशक से शुरू हुए कम्पनी राज के बाद जीवन चर्या कितनी महंगी होती जा रही है।

मानवीय संवेदनाओं से परे सबकुछ को मौद्रिक पैमाने पर तौलने की बाजारू प्रवृत्ति ने खान–पान, दवा–दारू, रहन–सहन से लेकर परिवहन तक को महंगा कर दिया और गुणवत्ता के मामलों में भगवान भरोसे छोड़ दिया।

वहीं, कभी कांग्रेस और कभी भाजपा के बर्चस्व वाली संसद मजबूत कानूनों को पूंजीपतियों के लिहाज से कमजोर करती रही, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, परिवहन आदि के क्षेत्रों में व्याप्त अराजकता बढ़ती चली गई। यह आज भी जारी है। समाज में रूपये के बढ़ते बोलबाला से प्रशासनिक तंत्र और अधिक भ्रष्ट हो गया। सियासत में ओबीसी, दलित व अल्पसंख्यक शब्दों के बढ़ते बोलबाला से जो जनप्रतिनिधियों की फौज संसद में आई, उन्होंने जाने–अनजाने सियासत को भ्रष्ट कर दिया। आलम यह है कि यथा राजा–तथा प्रजा और यथा प्रजा–तथा राजा का अंतर मिट चुका है। जनप्रतिनिधियों के विशेषाधिकार और न्यायाधीशों के न्यायिक अवमानना के अधिकारों ने मीडिया के मुंह सील दिए।

सनातन धर्म सुरक्षित तो दुनिया में सब कोई सुरक्षित : योगी आदित्यनाथ

-विकसित भारत के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा
-पवित्र स्थलों को नष्ट और अपवित्र करने वालों का कुल और वंश नष्ट हो गया
-अयोध्या धाम में आयोजित अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ, पंच नारायण महायज्ञ में शामिल हुए मुख्यमंत्री

अयोध्या।(एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या धाम के अशर्फी भवन आश्रम में आयोजित भव्य अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ और पंच नारायण महायज्ञ में भाग लिया। सीएम योगी ने महायज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म ही भारत का राष्ट्रीय धर्म है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और शांति का प्रसार होता है। ऐतिहासिक मंदिरों पर आक्रमण की घटनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग इन पवित्र स्थलों को नष्ट करने का काम करते थे, उनका कुल और वंश नष्ट हो गया। सीएम योगी ने कहा कि औरंगजेब के परिवार के लोग आज रिक्शा चला रहे हैं। यह उनकी दुर्गति है। अगर उन्होंने पुण्य किए होते और मंदिरों को न तोड़ा होता, तो क्या उनकी ऐसी स्थिति होती? उन्होंने कहा कि विश्व शांति की स्थापना केवल सनातन धर्म के माध्यम से हो सकती है। यह शाश्वत धर्म है, जो सृष्टि के आरंभ से ही चला आ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत और विकास के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने अयोध्या में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने संतों के मार्गदर्शन में अयोध्या के वैभव को पुनः स्थापित करने का कार्य किया है। रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण और अयोध्या धाम का विकास इसका जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह यज्ञ न केवल आत्मशुद्धि और पर्यावरण शुद्धि का माध्यम है, बल्कि यह सनातन धर्म की रक्षा और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार भी करता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन मां सरयू के पवित्र अंचल और भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर हो रहा है, जो इस यज्ञ को और भी विशेष बनाता है।

सीएम योगी ने कहा कि जिन गलतियों की वजह से भारत को गुलामी की बेड़ियां झेलनी पड़ीं और हमारे धर्म स्थलों का अपमान हुआ, उन्हें दोबारा नहीं दोहराया जाना चाहिए। उन्होंने भारतवासियों से सनातन धर्म की रक्षा और संरक्षण के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि अगर विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म का सम्मान करना होगा। यह धर्म सभी के कल्याण की बात करता है। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम् का संदर्भ देते हुए कहा कि यह केवल सनातन धर्म है, जिसने हर जाति और मजहब के लोगों को विपत्ति के समय शरण दी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत तब तक भारत है जब तक यहां सनातन धर्म सुरक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस धर्म के संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि युगों—युगों से सनातन धर्म ने सृष्टि के साथ तालमेल बनाकर खुद को जीवंत बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसे किसी भी प्रकार की विकृतियों या विसंगतियों से बचाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा। भारत तब तक भारत है जब तक भारत के अंदर सनातन धर्म सुरक्षित है। इसकी रक्षा के लिए इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर के कार्य करना होगा। यह एक शाश्वत धर्म है, सृष्टि के साथ चला हुआ धर्म है हो सकता है कि किसी कालखंड में कुछ विसंगतिया आई हो लेकिन, विसंगती का परिमार्जन भी हमारे ऋषि मुनि संतो के माध्यम से समय—समय परमहापुरुषों के द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए हम करेंगे। कहीं भी हम आपसी उन फूट का, आपसी बंटवारे का, आपसी विभाजन की गलतियों को पूरे देश और पूरे धर्म को नहीं भुगतने देंगे, इस संकल्प के साथ हमें आगे बढ़ना होगा।सीएम योगी ने कहा कि आज बांग्लादेश में क्या हो रहा है, पाकिस्तान में क्या हुआ था, इससे पहले अफगानिस्तान में क्या हुआ? मैं पूछना चाहता हूं उन लोगों से वह कौन लोग थे जिन्होंने देश के अंदर सनातन धर्म से जुड़े हुए उन मान बिंदुओं को नष्ट करने का काम किया था, और क्यों किया था, उसके पीछे की नियत क्या थी। उसके पीछे की नियति थी अपने कुकृत्यों को अंजाम दे करके पूरी धरती को नर्क बनाने की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी में काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि, संभल में कल्की अवतार की हरिहर भूमि, भोज में ज्ञान के अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के पावन मंदिर जैसे पवित्र स्थलों को अपवित्र करने वालों का आज कोई अस्तित्व नहीं है। यह उनके पापों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कोई भी ऐसी स्थितियां उत्पन्न न हो, जिनसे हमारे धर्म स्थलों को अपमानित होना पड़े।"मुख्यमंत्री ने पंचनारायण महायज्ञ के आयोजन के लिए जगद्गुरु रामानुजाचार्य पूज्य स्वामी शंकराचार्य महाराज और उनकी टीम का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस यज्ञ का पुण्य पूरे भारतवासियों को प्राप्त होगा। इस महायज्ञ में कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, धर्म—अध्यात्म से जुड़े कई प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने पार्टी पदाधिकारियों को दिया मिल्कीपुर उपचुनाव विजय का मंत्र

अयोध्या(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। यहां वे श्री रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन के करने के बाद धार्मिक अनुष्ठान पंच नारायण महायज्ञ में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरयू अतिथि भवन में लगभग डेढ़ घंटे तक अयोध्या के विकास और मिल्कीपुर उपचुनाव के साथ ही महाकुंभ और श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर गहन विचार विमर्श किया। सीएम योगी ने यहां महाकुम्भ 2025 को लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उचित व्यवस्था का निर्देश दिया। सीएम ने यहां मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर बीजेपी पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की।

सीएम योगी मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर गंभीर हैं। इसी के मद्देनजर उन्होंने यहां सरकार के मंत्रियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ मिल्कीपुर चुनाव में अब तक की तैयारियों की समीक्षा की। मण्डल प्रभारी से लेकर अन्य पदाधिकारियों से चुनाव के सन्दर्भ में उन्होंने प्रश्न पूछे। सीएम योगी ने पार्टी पदाधिकारियों को चुनाव में विजय का मंत्र भी दिया। पदाधिकारियों में उत्साह का संचार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब कुंदरकी व कटेहरी का चुनाव जीत सकते हैं तो कोई भी चुनाव जीता जा सकता है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बूथ मैनेजमेंट व पार्टी के जुड़े पदाधिकारियों को सक्रिय करने पर जोर दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से चुनाव जीतने की बेहतर रणनीति साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है। इसलिए पदाधिकारी अपने पूरे सामर्थ्य से परिश्रम करें। मतदाता सूची पर उन्होंने विशेष रुप से फोकस करते हुए कहा कि भाजपा के मतदाताओं को चिन्हित करते चुनाव के लिए बूथ के पदाधिकारी इन वोटरों का शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करें। इसके लिए सम्पर्क व संवाद की प्रक्रिया लगातार चलाते रहे। सीएम योगी ने कहा कि सभी मोर्चो के सम्मेलन आयोजित किए जाए। सम्मेलनों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा के पक्ष में वातावरण का निर्माण किया जाय व कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाए।प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ 2025 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक और एकता के प्रतीक इस मेले में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इस दौरान अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को ठंड में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सीएम योगी ने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए और समय रहते उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही सीएम योगी ने अधिकारियों के साथ अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी भी ली। बैठक में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सूर्य प्रताप शाही, जेपीएस राठौर (राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार), मयंकेश्वर शरण सिंह, गिरीश चन्द्र यादव, सतीश शर्मा, व प्रदेश उपाध्यक्ष धमेन्द्र सिंह, एमएलसी इंजीनियर अवनीश पटेल, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, एमएलसी हरिओम पाण्डेय सहित कई पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भूमिधारी भूमि पर कब्जा किए जाने का आरोप, 'शिकायत पर एसडीएम ने मामले को लिया संज्ञान में

मीरजापुर(एजेंसी)। नगर के शिवाला महंथ शहर निवासी महंथ सुरेशानंद गिरी ने उप जिलाधिकारी आसाराम वर्मा को पत्र देकर अवगत कराया की लालगंज तहसील क्षेत्र के गंगहरा कला में उनकी आराजी नंबर 257 भूमिधरी भूमि पर गांव व सरहद्दी गांव के काश्तकारों द्वारा जबरदस्ती अतिक्रमण किया जा रहा है जिसे रोका जाए। मामले को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष लालगंज व राजस्व निरीक्षक लालगंज को समाधान करने का आदेश दिए। उप जिलाधिकारी लालगंज आसाराम वर्मा को शिवाला महंथ शहर मिर्जापुर निवासी सुरेशानंद गिरी ने पत्र देकर अवगत कराया की तहसील क्षेत्र के गगहरा कला में आराजी नंबर 257 रकवा 0.1520 हेक्टेयर हम प्रार्थी की संक्रमणीय भूमि है। जिस पर गंगहरा कला निवासी व मझियार निवासी दबंग व्यक्तियों द्वारा उनकी भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर खन खोद निर्माण किया जा रहा है मना करने पर धमकी दे रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी आसाराम बर्मा ने थाना प्रभारी लालगंज व राजस्व निरीक्षक लालगंज को प्रकरण का समाधान कराये जाने का आदेश दिया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पर आधारित निबंध और भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मीरजापुर(एजेंसी)। लालगंज स्थित बापू उपरौध इंटरमीडिएट कॉलेज में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की उपलब्धियों पर आधारित तहसील स्तरीय निबंध और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। लालगंज और हलिया विकास खंडों के माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों ने इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निबंध प्रतियोगिता में बरौधा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की तान्या चक्रवर्ती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लालगंज भारती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की खुशी तिवारी ने द्वितीय और बापू उपरौध इंटरमीडिएट कॉलेज की नेहा ने तृतीय स्थान हासिल किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में बापू उपरौध इंटरमीडिएट कॉलेज की मानसी ने पहला स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में शिक्षक प्रहलाद सिंह, राजेश द्विवेदी, नवीन कुमार, जगदीश सिंह, विनोद पांडे, मोहम्मद काशिफ और लाल बहादुर सिंह सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन विजेताओं को सम्मानित किया गया।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय समीक्षा बैठक 23 दिसम्बर को आयुक्त कार्यालय सभागार में

मीरजापुर(एजेंसी)। शासन के निर्देश के क्रम में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल डॉ मुथुकुमार स्वामी बी की अध्यक्षता में 23 दिसम्बर 2024 को आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में मण्डलीय समीक्षा बैठक की जायेगी। उक्त आशय की जानकारी देते हुये संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र ने बताया कि उपरोक्त निर्धारित तिथि को पूर्वान्ह 11:30 बजे से 12 बजे तक बाल अधिकार 35 वर्ष एवं यूनीसेफ 75 वर्ष के अवसर पर बच्चों की प्रगति एवं प्राथमिकताओं के दृष्टिगत मण्डल स्तरीय स्टेक होल्डर्स की बैठक, अपरान्ह 12 बजे से 1:30 बजे तक विकास प्राथमिकता कार्यक्रमो की समीक्षा की जायेगी, तथा 2:30 बजे से 4 बजे तक कानून व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था की समीक्षा एवं 4 बजे से राजस्व विभाग, खनिज विभाग अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमो की समीक्षा मण्डलायुक्त द्वारा की जायेगी।

विज्ञान के नवाचार से होगा देश का कल्याण : डा0 विजेंद्र सिंह

-52 वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का समारोहपूर्वक समापन

अयोध्या(एजेंसी)। राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान की ओर से जिले के एसएसवी इंटर कॉलेज में चल रही 52 वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज के कुलपति डॉ. विजेन्द्र सिंह ने कहा कि बाल वैज्ञानिक देश के भविष्य हैं। अपने अंदर ललक पैदा करके ही बाल वैज्ञानिकों ने नवाचार के ऐसे प्रदर्श तैयार किए, जो आने वाले समय में भविष्य का प्रतिनिधित्व करेगा। कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्रमबद्ध ज्ञान, समय प्रबंधन, समर्पण और अनुशासन देश के भविष्य का लक्ष्य निर्धारित करता है। इनके सहारे किसी भी उदेश्य को प्राप्त किया जा सकता है। इनमें से किसी एक का भी साथ छूटने पर सफलता नहीं मिलती है। यह एक पैकेज है, जिसमें इच्छा शक्ति ऊर्जा का काम करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास के कार्यों पर भी फोकस किया जाना चाहिए क्योंकि व्यक्तित्व विकास 90 फीसदी सहायक होता है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे अपर आयुक्त प्रशासन अयोध्या अजयकांत सैनी ने कहा कि विज्ञान को जीवन में उतारने की जरूरत है। उन्होंने कहा की धर्म के प्रति आस्था प्रकट करना श्रेष्ठ है। लेकिन अब विज्ञान की भी समाज को जरूरत है। उन्होंने कहा की परिकल्पना करें कि दुनिया में आबादी में सबसे ज्यादा रहने वाले देश भारत ने विज्ञान में कितना योगदान दिया है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से सवाल करते हुए कहा कि विज्ञान वरदान है उसका कितना प्रयोग हमने किया। उन्होंने कहा की विज्ञान को धारण करें। जिससे देश का इतिहास स्वर्णिम हो सके। एनसीईआरटी नई दिल्ली के प्रोफेसर डॉक्टर टीपी शर्मा ने कहा कि किसी को भी वैज्ञानिक सोच महान बनाती है। बाल वैज्ञानिकों ने बेहतरीन प्रदर्शन से यह साबित कर दिया की प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती। संयुक्त शिक्षा निदेशक अयोध्या मंडल अयोध्या योगेंद्र कुमार सिंह ने विज्ञान को जीवन का अंग बनाने पर बल दिया। इसके पहले प्रधानाचार्य डॉक्टर मणि शंकर तिवारी ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी के सभी आयाम और व्यवस्थाओं पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी और राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान की प्रोफेसर डॉ. ममता द्विवेदी ने किया। संचालन विवेकानंद पांडेय ने किया। विज्ञान प्रदर्शनी का परिणाम राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान की प्रोफेसर मंजूषा गुप्ता ने प्रस्तुत किया। समारोह का आरंभ एसएसवी इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुआ। इस दौरान छात्र रुद्रेश्वर गुप्ता ने संस्कृत काव्य पाठ प्रस्तुत किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओ के सामूहिक नृत्य ने सभी को विभोर कर दिया। प्रधानाचार्य डॉक्टर तिवारी और संस्थान की प्रोफेसर डॉक्टर द्विवेदी ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इसके पहले प्रधानाचार्य डॉक्टर मणि शंकर तिवारी, राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान की प्रोफेसर डॉ ममता द्विवेदी, मंजूषा गुप्ता, प्रोफेसर अरविंद कुमार गौतम, सुदामा प्रसाद, प्रधानाचार्य जनता अवध इंटर कॉलेज वीर विक्रमादित्य सिंह, अंबेडकर नगर जनता जनार्दन विद्यालय के प्रबंधक त्रियुग नारायण तिवारी, रुदौली के प्रधानाचार्य राम प्रिया शरण सिंह, सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य डॉक्टर राम सुरेश मिश्रा, शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष घनश्याम यादव, पूर्व अध्यक्ष रमाकांत पांडेय, राजकरण इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शिवकुमार मिश्र, पिठला के प्रधानाचार्य डॉ रमेश कुमार मिश्रा, बेसिक शिक्षा विभाग की शिवकरण सिंह, डॉक्टर उदयभान सिंह, शिक्षक कृष्ण कुमार तिवारी, सुरेंद्र देव तिवारी, डॉ देवेंद्र कुमार मिश्र, अरुण कुमार दुबे, अनिल कुमार मिश्र ने अतिथियों का बुके व माल्यार्पण से स्वागत किया। इस दौरान सभी 18 मंडलों के प्रभारी बाल वैज्ञानिक विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य शिक्षक और विद्यालय के छात्र छात्र मौजूद रहे।

सीएम योगी ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरणों में झुकाया शीश

अयोध्या।(एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पहले संकट मोचन हनुमानगढ़ी में दर्शन—पूजन किया और प्रदेश की सुख—शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती की और मंदिर परिसर की परिक्रमा कर राम मंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत संकट मोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा—अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दर्शन किए। उन्होंने श्रीरामलला की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी भी ली। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। इससे पहले मुख्यमंत्री के अयोध्या आगमन पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी का दिसंबर महीने में दूसरा अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 5 दिसंबर को 43वें रामायण मेले के उद्घाटन के अवसर पर यहां आए थे।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

अयोध्या।(एजेंसी) अयोध्या—रायबरेली नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार बाइक सवार ने बुजुर्ग को टक्कर मार दी, हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बुजुर्ग को इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के मुताबिक इनायत नगर कोतवाली क्षेत्र के पूरे छत्ता गांव निवासी दयाराम यादव पुत्र बहोरी यादव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर से दवा लेकर साइकिल से घर की ओर जा रहे थे। अयोध्या रायबरेली हाईवे स्थित कस्बा इनायत नगर में साइकिल खड़ी कर सब्जी लेने जा रहा थे। तभी तेज रफ्तार बाइक सवार व्यक्ति ने टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे बाजार के लोगों ने इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया जहां पर डॉक्टर जेपी विश्वकर्मा ने प्राथमिक उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया।

केंद्रीय गृहमंत्री के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

अयोध्या(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर के बारे में राज्यसभा में की गई बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन से भाजपा विरोधी और अमित शाह विरोधी नारे लगाते हुए जुलूस की शक्ल में निकले कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने रिकाबगंज चौराहे पर बलपूर्वक रोका। इससे पूर्व कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर की गई ये टिप्पणियां न केवल भारत के महानतम नेताओं में से अद्वितीय विरासत का अपमान हैं,

सामने आ रहे हैं।सूत्रों के अनुसार, विभागीय कार्रवाई की सूचना पहले से लीक हो जाने के कारण अवैध आरा मशीन संचालक सतर्क हो जाते हैं। इसके चलते कई बार विभागीय टीम की कार्रवाई प्रभावी नहीं हो पाती। ऐसे मामलों में पारदर्शी और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

शिक्षकों का हुआ सम्मान, मेधावी हुए पुरस्कृत

अयोध्या(एजेंसी)। एसएसवी इंटर कॉलेज में चल रही 52 वे राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया गया। राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान की प्रोफेसर मंजूषा गुप्ता ने परिणाम की घोषणा की। मेधावियों को मुख्य अतिथि, समारोह अध्यक्ष सहित अन्य अतिथियों ने मंच से सम्मानित किया। प्रस्तुत प्रदर्श दो प्रकार स्थिर और क्रियाकारी रहे। सभी वर्ग से प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान चयनित किया गया जो जूनियर और सीनियर वर्ग में अलग—अलग रहे। जूनियर वर्ग के स्थिर के उपविषय भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में वाराणसी के अंश गोयल प्रथम, लखनऊ की नूरमा द्वितीय और प्रयागराज की महजबी तृतीय रहे। यातायात तथा संचार में आगरा के चिराग प्रथम, लखनऊ के प्रिंस विश्वकर्मा द्वितीय, सहारनपुर की तंजीम तृतीय रही। प्राकृतिक खेती में महिमा तिवारी प्रयागराज प्रथम, आस्था यादव वाराणसी द्वितीय, अनुपम देवी लखनऊ तृतीय रहे। आपदा प्रबंधन में पियूष प्रयागराज प्रथम, वासुदेव आगरा द्वितीय, सारिक सहारनपुर तृतीय, गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में हेमेंद्र चित्रकूट प्रथम, शुभ मौर्य लखनऊ द्वितीय, यशी वार्ष्णेय अलीगढ़ तृतीय रहे। कचरा प्रबंधन में अर्चना चित्रकूट प्रथम, आहना मेहरोत्रा बरेली द्वितीय, करण पटेल वाराणसी तृतीय रहे। संसाधन प्रबंधन में एलिजा इसरार प्रयागराज प्रथम, खुशी गुप्ता वाराणसी द्वितीय, अमन वर्मा बरेली तृतीय रहे।भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में रमन वाजपेई लखनऊ प्रथम, तनु पाल मेरठ द्वितीय, सलोनी अग्रहरि बस्ती तृतीय रहे। यातायात तथा संचार में मोहम्मद वजाहत हुसैन लखनऊ प्रथम, साक्षी पांडेय वाराणसी द्वितीय, कशिश अलीगढ़ तृतीय रहे। प्राकृतिक खेती में उदय प्रताप सिंह प्रयागराज प्रथम, अनन्या चौहान मुरादाबाद द्वितीय, अमन यादव आगरा तृतीय रहे। आपदा प्रबंधन में अर्जुन सागर बरेली प्रथम, तपस्या मेरठ द्वितीय, कुमकुम यादव अलीगढ़ तृतीय रहे। गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटर सेशनल सोच में प्रिया मौर्य वाराणसी प्रथम, सुब्रत तिवारी बरेली द्वितीय, कार्तिकेय जयसवाल कानपुर तृतीय रहे। कचरा प्रबंधन में कृतिका गंगवार बरेली प्रथम, हर्ष शुक्ला मिर्जापुर द्वितीय, यश यादव वाराणसी तृतीय रहे। संसाधन प्रबंधन में श्लोक मिश्रा कानपुर प्रथम, सौरभ चित्रकूट मंडल द्वितीय, प्रिंस मुरादाबाद तृतीय रहे।सीनियर वर्ग में भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में दीपिका मेरठ प्रथम, अर्जुन वर्मा चित्रकूट द्वितीय, प्रतीक यादव आगरा तृतीय रहे।

हर उम्र के पत्रकारों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाए जाने पर बनीं सहमति

मीरजापुर(एजेंसी)। आम जनता एवं पत्रकारिता की मजबूती को लेकर ज्ञापन देने गए स्थानीय पत्रकारों से जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने कहा कि नगर में यातायात की समस्या को खत्म करने के लिए सर्वेक्षण कराया जा रहा है. इसी क्रम में लाल निशान लगाए जा रहे हैं, ताकि राजस्व अभिलेखों में जितना स्थान जिस भू—स्वामी का है, उसे छोड़कर शेष सरकारी भूमि को प्रशासन यातायात के लिए प्रयोग करेगा. दरअसल नगर में लग रहे लाल—निशान को लेकर भय के साथ भ्रम की स्थिति विद्यमान हो गई है. जिसे स्पष्ट करते हुए डीएम ने कहा इस समय जो लाल निशान लग रहे, वह चौड़ीकरण योजना के तहत नहीं बल्कि राजस्व अभिलेखों के अनुसार अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराने की है. निशान के बाद नोटिस इसलिए दी जा रही, ताकि लोग स्वतः अतिक्रमित भूमि खाली कर दें क्योंकि यदि प्रशासन हटाएगा तो वह भूमि का किराया भी लेगा. शुक्रवार को जिले के पत्रकारों के एक भारी प्रतिनिधिमंडल ने जनहित एवं पत्रकार—हित के लिए अलग—अलग दो ज्ञापन डीएम को दिए जिसमें कम्पनीघाट में पैंटून ब्रिज, शास्त्री सेतु के डिवाइडर पर वृक्षारोपण की मांग भी शामिल है. इनमें बच्चों के लिए उद्यान रू प्रतिनिधिमण्डल की मांग पर डीएम श्रीमती निरंजन ने कलेक्ट्रेट में स्थित उद्यान मॉर्निंग वॉक के लिए खोलने पर सहमति जताई तथा कहा कि बुजुर्ग इसमें आकर बैठ सकते हैं। इसी के साथ डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने बच्चों के खेलने के लिए पार्क की व्यवस्था पर सहमति जताई तथा लालडिग्गी उद्यान को शाम के खोलने का भरोसा दिया. जनहित के मुद्दों के ज्ञापन में अयोग्य चिकित्सकों पर नियंत्रण की मांग रू ज्ञापन में कहा गया कि अयोग्य चिकित्सक निरूशुल्क कैंप के बहाने जनता का शोषण करते हैं. दवा के दुकानों पर डॉक्टर आकर इलाज के नाम पर दुकानदार की बिक्री बढ़ाने में मदद करते हैं, अतः इसकी निगरानी होनी चाहिए. महापुरुषों की जयंती, पुण्यतिथियों पर कार्यक्रम हो रू ज्ञापन में राष्ट्रीय एकीकरण समिति को सक्रिय करने की मांग की गई तथा समय समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने का सुझाव दिया गया.

'अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत गोरक्ष प्रांत की जागरुकता गोष्ठी सम्पन्न'

सहजनवा गोरखपुर बांसगांव संदेशरू अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत गोरक्ष प्रांत द्वारा गौतम बुद्ध एकेडमी, मिर्जापुर में ग्राहक जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत ग्राहक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रभूषण तिवारी, प्रांत संगठन मंत्री एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता अमितेश्वर पाण्डेय (विद्यालय के प्रबंधक एवं मंडल अध्यक्ष) ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिनेश कुमार पांडेय रहे। सर्वप्रथम अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और कार्यक्रम का प्रारंभ किया। मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रभूषण तिवारी ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, अध्यापक, अध्यापिकाओं एवं विद्यार्थियों को वर्तमान में बाजार द्वारा होने वाली ठगी के संदर्भ में जागरूक किया और पक्का बिल लेने की सलाह दी। कार्यक्रम अध्यक्ष अमितेश्वर पांडेय ने साइबर क्राइम और उससे बचाव

के.डी.न्यूज
(हिन्दी दैनिक)

समाधान दिवस में शोर मचा रहे व्यक्तिकी सीओ ने की पिटाई,एसडीएम ने भेजा जेल

बांसगांव ।शनिवार को एसडीएम केसरी नंदन तिवारी की अध्यक्षता में तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में उस समय अफरा तफरी मच गयी, जब उत्तेजित स्वर में शोर मचा रहे एक व्यक्ति की सीओ ने पिटाई करने के बाद उसे थाने भेज दिया। इससे सीओ के तेवर को देखकर अन्य फरियादियों में हड़कम्प मच गयी ।ग्राम बेला वीरभान निवासी धीरज तिवारी ने गांव के दिनेश चंद संग शिकायती पत्र प्रस्तुत कर बताया कि गांव का ही एक व्यक्ति उनके दरवाजे पर गोबर रख रहा है। मना करने पर वह झगड़े पर उतारू हो जा रहा है। इसके निस्तारण के सम्बंध में उपजिलाधिकारी राजस्व निरीक्षक से मशविरा कर रहे थे कि इसी दौरान दिनेश चंद उत्तेजित होकर प्रशासन पर अनर्गल आरोप लगाते शोर मचाने लगे। जिससे सभागार में अफरा तफरी की स्थिति पैदा हो गयी ।इस दौरान एसडीएम और सीओ ने दिनेश चंद को शांत कराने का काफी प्रयास करते रहे। फिर भी दिनेश चंद अपने रौ में बोलते जा रहे थे। यह स्थित सीओ को नागवार लगने लगी। फिर तो वह डायस से नीचे उतरे और दिनेश चंद की पिटाई करते उन्हे बांसगांव थाने भेजवा दिया ।बताते हैं कि करीब 3 बजे दिनेश चंद को बांसगांव पुलिस ने शान्ति भंग के आरोप में एसडीएम न्यायालय में पेश किया। एसडीएम ने दिनेश चंद की ओर से अधिवक्ता ने जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया,जिस पर जमानती प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न जमानती प्रपत्रों को सत्यापन के लिए भेजने के साथ ही उन्हे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया ।एसडीएम केसरी नंदन तिवारी ने बातचीत में बताया कि दिनेश चंद ने पूर्व में दिये गये एक शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया है कि गांव के सत्यम शाही द्वारा बंजर भूमि पर पक्का मकान व टिनशेड डालकर अवैध कब्जा कर रखा है। उन्हे बेदखल कर उक्त भूमि को खाली कराया जाय। एसडीएम ने बताया कि इस मामले में वह तथा तहसीलदार राजस्व निरीक्षक तथा लेखपाल के साथ मौके का निरीक्षण कर पैमाईस भी करा चुके हैं। उन्होने बताया कि अवैध कब्जे की पुष्टि भी हो चुकी है। लेखपाल की रिपोर्ट पर तहसीलदार न्यायालय में बेदखली की धारा 67 के तहत वाद विचाराधीन है। उक्त वाद में बेदखली का आदेश पारित होने के बाद भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। इसके बावजूद भी दिनेश चंद द्वारा आज तहसील में प्रशासनिक कामकाज में व्यवधान उत्पन्न करना अनुचित है ।इस दौरान संपूर्ण समाधान दिवस पर कुल 43 मामले आए जिसमें महज 2 का ही निस्तारण किया जा सका ।इस अवसर पर सीओ दरवेश सिंह, तहसीलदार नरेंद्र कुमार,नायब जीवेंद्र तिवारी,मुकेश वर्मा सहित राजस्व निरीक्षक,लेखपाल एवं विभिन्न थानों की पुलिस उपस्थित रही।

आवास की मांग को लेकर फरियादियों का प्रदर्शन, प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

बांसगांव ।आवास की मांग को लेकर दूर–दूर से आए फरियादियों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए ज्ञापन सौंपा। पारस, सुशील सिंह, अनिल सिंह पट्टू सहित अन्य फरियादियों का कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से हर समाधान दिवस पर ज्ञापन दे रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा। फरियादियों पारस निषाद ने बताया कि प्रशासन की उदासीनता के कारण उन्होंने 9 दिनों तक क्रमिक अनशन किया, लेकिन एसडीएम ने पुलिस बुलाकर जबरन अनशन तुड़वा दिया। उनका आरोप है कि प्रशासन विरोध करने वालों पर कार्रवाई कर उन्हें थाने भेज रहा है। फरियादियों सुशील सिंह ने कहा कि समाधान दिवस को ष्तसल्ली दिवसष करार देते हुए कहा कि अधिकारी उनकी समस्याएं सुनने को तैयार नहीं हैं। फरियादियों ने उम्मीद जताई कि जांच के बाद उनकी समस्याओं का समाधान होगा, लेकिन प्रशासन की अब तक की लापरवाही से उनमें गहरा असंतोष है। इस मामले में उपजिलाधिकारी ने बताया कि आवास की मांग के मुद्दे पर सीडीओ द्वारा एक जांच टीम गठित की गई है। यह टीम समस्या की जांच करेगी और उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

'डाक्टर भीम राव अम्बेडकर के ऊपर अमर्यादित टिप्पणी को लेकर अम्बेडकर विचार मंच ने दिया ज्ञापन'

सहजनवा गोरखपुर बांसगांव संदेशरू डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बारे में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अमर्यादित टिप्पणी करने के विरोध में डॉक्टर अंबेडकर विचार मंच द्वारा महामहिम राष्ट्रपति भारत वर्ष द्वारा उप जिला अधिकारी को एक ज्ञापन अंबेडकर विचार मंच के अध्यक्ष विजय कुमार की अध्यक्षता में सौंपा गया है। 17 दिसंबर 2024 को लोकसभा में भारतीय संविधान के बारे में चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारतीय संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर पर निंदनीय एवं अमर्यादित टिप्पणी ने पूरे भारतवर्ष को झकझोर कर रख दिया है जिससे करोड़ें भारतवासी पूर्ण रूप से आहत हैं। ऐसी दशा में संगठन के सदस्य गण विरोध प्रकट करते हुए समस्त भारतवर्ष के समस्त बहुजन समाज से माफी मांगने की अपील करते हैं।

लापरवाह राजस्व निरीक्षक पर भड़के उप जिलाधिकारी

खजनी ।दिसंबर माह के तीसरे शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी कुंवर सचिन सिंह ने अध्यक्षता की। इस दौरान कुल 68 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से पांच आवेदनों का समाधान मौके पर ही किया गया। हालांकि, समाधान दिवस के दौरान कुछ आवेदनों पर लापरवाही देखने को मिली, जिस पर उप जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक को कड़ी फटकार लगाई और उन्हें सुधरने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभानी चाहिए, ताकि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके। एसडीएम ने बचे हुए 63 आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए कहा कि सभी विभाग समय से पहले आख्या प्रस्तुत करें, ताकि मामले का शीघ्र निस्तारण किया जा सके। इस दिन राजस्व विभाग के साथ पुलिस विभाग से भी आवेदन प्राप्त हुए थे, जो सर्वाधिक थे। समारोह में तहसीलदार कृष्ण गोपाल त्रिपाठी, नायब तहसीलदार राम सूरज प्रसाद, नायब तहसीलदार राकेश शुक्ला, सीओ चकबंदी जितेंद्र कुमार सिंह, आपूर्ति अधिकारी गोपाल, एडीओ एजी कमलेश सिंह, सभी राजस्व निरीक्षक और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चार साल से फरार 25 हजार के ईनामी अभियुक्तको हरपुर बुदहट पुलिस ने किया गिरफ्तार

थाना प्रभारी हरपुर बुदहट महेश चौबे की कड़ी मेहनत से गिरफ्तार में आया फरार अभियुक्त

गोरखपुर/अपराधी कितना भी होशियार और चालक क्यो न हो एक न एक दिन वो पुलिस की गिरफ्तारी में आ ही जाता है सन 2021 में प्रतिबंधित गोवंश को लादकर जाया जा रहा था पुलिस की चेकिंग में अभियुक्त चकमा देकर फरार हो गया था इस बीच हरपुर बुदहट थाने पर तामाम थाना प्रभारियों की नियुक्ति हुए लेकिन फरार अभियुक्त को पुलिस तलाश नही कर पाई चार साल से अभियुक्त पुलिस को चकमा देता रहा था उस पर पुलिस ने 25 हजार का ईनाम भी रखा हुआ था लेकिन उस अभियुक्त का पुलिस सुराग नही लगा पा रही थी एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने तेजतर्रार सब इंस्पेक्टर महेश चौबे को तीन माह पूर्व ही हरपुर बुदहट थाने की जिम्मेदारी दी थी एसएसपी के भरोसे पर खरा उतरते हुए थाना प्रभारी हरपुर बुदहट महेश चौबे ने एक तरफ जहां कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखा तो वही एसएसपी के द्वारा जनपद भर में चलाए जा रहे फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाते हुए 4 साल से फरार अभियुक्त को गिरफ्तार करके एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। 22 नवंबर 2021 को मुस्ताक मिंया पुत्र स्वर्गीय मैनुद्दीन मिंया निवासी कुचायकोट थाना कुचायकोट जनपद गोपालगंज बिहार के द्वारा गोवंशियों को पिकअप में लादकर ले जाया जा रहा था पुलिस चेकिंग के द्वारा एक अभियुक्त गिरफ्तार किया गया था बाकी अभियुक्त भागने में सफल हो गए थे पुलिस की विवेचना में फरार अभियुक्त का नाम प्रकाश में आया था हरपुर बुदहट की पुलिस फरार अभियुक्त की तलाश में लगी थी लेकिन सफलता नही मिल पा रही है एसएसपी गोरखपुर ने उस पर 25 हजार का इनाम भी रखा था। थाना प्रभारी महेश चौबे के कठिन परिश्रम की वजह से फरार अभियुक्त का गिरफ्तार किया गया है फिलहाल पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को जेल भेज दिया है।

विज्ञान प्रदर्शनी में बाल विज्ञानियों ने दिखाया अपना हुनर

बेलीपार ।बांसगांव संदेश । विश्वनाथ चौरसिया इंटर कॉलेज, गजपुर में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी मॉडल प्रतियोगिता में 250 बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हाईस्कूल, इंटर और जूनियर वर्ग के 52 टीमों ने बेहतरीन और रचनात्मक मॉडल प्रस्तुत किए, जो सभी का ध्यान आकर्षित करने में सफल रहे। निर्णायकों, शिक्षकों और अभिभावकों ने बच्चों के बनाए मॉडलों की भूरी–भूरी प्रशंसा की। प्रदर्शनी में बच्चों ने विज्ञान और तकनीकी की नई सोच को मॉडलों के जरिए प्रस्तुत किया, जिससे उनकी रचनात्मकता और मेहनत साफ झलक रही थी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक श्री भरथ चौरसिया और अध्यक्ष श्री शत्रुघ्न चौरसिया ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्री छविंद्र कुमार सिंह ने बच्चों की रचनात्मकता को प्रेरणादायक बताते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या अनुभा अग्निहोत्री, सुनील यादव, कुंज बिहारी प्रजापति, अमरजीत राव, हरिकृष्ण त्रिपाठी, श्यामा त्रिपाठी, विवेक सिंह और बाल किशुन यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चुरेब सीएचसी पर प्रसूता की मौत, हंगामा

परिवार के लोगों ने एएनएम पर लापरवाही का आरोप, कार्रवाई की मांग

संतकबीर नगर बांसगांव संदेश ।जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरेब पर शनिवार को प्रसव के दौरान एक महिला की मृत्यु हो गई। मृतका के परिवार वालों ने प्रसव कराने वाली एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद गुस्साए स्वजन ने हंगामा शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची ।मृतका कमलावती (32) पत्नी हीरामन, जो कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के भांटपार गांव की निवासी थी, शनिवार सुबह चुरेब सीएचसी पर प्रसव के लिए आई थी। महिला ने दोपहर में एक बच्ची को जन्म दिया, और पहले तो जच्चा–बच्चा दोनों स्वस्थ थे। लेकिन प्रसव के बाद महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई, और दोपहर बाद उसकी मौत हो गई ।मृतका के देवर प्रवीण और रामेंद्र ने आरोप लगाया कि प्रसव के बाद महिला से सामान्य उत्सर्जन नहीं होने पर एएनएम ने लापरवाही से नाल निकाल दिया, जिससे महिला की मौत हो गई। उनका कहना है कि एएनएम कल्पना वर्मा ने महिला की स्थिति बिगड़ने के बावजूद उसे रेफर नहीं किया। अंतिम समय में, जब परिवार ने महिला को जिला मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल में ले जाने का प्रयास किया, तो चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।इसके बाद, शव को फिर से चुरेब सीएचसी लाया गया, जहां मृतका के परिवारवालों ने हंगामा किया। वे शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग पर अड़े रहे। सूचना मिलने पर कांटे चौकी प्रभारी और बाद में कोतवाल भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली ।मृतका के परिवार ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य केंद्र पर लापरवाही के कारण महिला की जान गई और दोषी एएनएम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम के लिए शव को भेजने की प्रक्रिया जारी है।

गोला तहसील सभागार में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

गोला ।शनिवार को गोला तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन एसडीएम गोला राजू कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर तहसीलदार गोला बृजमोहन शुक्ला, नायब तहसीलदार प्रकाश सिंह, विजय कुमार यादव सहित अन्य अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को सुना। समाधान दिवस में सबसे अधिक मामले राजस्व विभाग से संबंधित रहे, जबकि बिजली, पुलिस, स्वास्थ्य और अन्य विभागों से भी कुछ मामले आए। कुल 76 मामलों में से केवल 7 मामलों का ही निस्तारण हो पाया, जिससे फरियादियों में निराशा देखने को मिली ।समाधान दिवस के दौरान राजस्व निरीक्षक रमेश पांडेय, लालजी शर्मा, अशोक गुप्ता, राजेश सिंह, राम मूर्ति वर्मा, टी. एन. सिंह, कृष्ण कुमार यादव, नरसिंह वर्मा, सुनील यादव, लल्लन प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बचे मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए जल्द निस्तारण की उम्मीद जताई।

आज साल का सबसे छोटा दिन व सबसे लंबी रात, जानें इसके पीछे का वैज्ञानिक कारण

सहजनवा, प्रधान प्रवासी ।दिसंबर का महीना सर्दी के चरम पर होता है और इस दौरान दिन छोटे व रातें लंबी हो जाती हैं। आज 21 दिसंबर, साल का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात है। इस खगोलीय घटना को शीतकालीन अयनांत (पदजमत वसेजपबम) कहा जाता है। खगोलविद अमर पाल सिंह के अनुसार, पृथ्वी के 23.5□ झुकाव और सूर्य के चारों ओर इसकी परिक्रमा के कारण यह घटना होती है। उन्होंने बताया कि शीतकालीन अयनांत के समय उत्तरी गोलार्ध में दिन की अवधि सबसे कम होती है और रात सबसे लंबी। इस साल यह घटना भारतीय समयानुसार दोपहर 2रू51 बजे होगी। आज दिन केवल 8 घंटे का और रात लगभग 16 घंटे की होगी। खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि जब पृथ्वी का उत्तरी ध्रुव सूर्य से अधिकतम दूरी पर झुका होता है, तब उत्तरी गोलार्ध में दिन छोटे और रातें लंबी हो जाती हैं। इसके विपरीत, जून में ग्रीष्मकालीन अयनांत के दौरान दिन सबसे लंबा और रात सबसे छोटी होती है ।अमर पाल सिंह ने यह भी बताया कि शीतकालीन अयनांत प्राचीनकाल से ही कई संस्कृतियों में महत्वपूर्ण समय रहा है। इसे विभिन्न त्योहारों और अनुष्ठानों के माध्यम से मनाया जाता है। लैटिन शब्द ष्सोलष और ष्स्टिशष से उत्पन्न ष्सोलस्टाइसष का अर्थ ष्सूर्य का स्थिर होनाष है। आज की घटना के बाद उत्तरी गोलार्ध में दिन की अवधि धीरे–धीरे बढ़ने लगेगी और रातें छोटी होंगी। यह खगोलीय घटना हमें पृथ्वी और ब्रह्मांड की अद्भुत गतिशीलता की झलक दिखाती है।

एसबीआई एटीएम के सामने से बाइक चोरी, पीड़ित ने दर्ज कराई शिकायत

पीपीगंज, गोरखपुर ।पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर 5 तिघरा निवासी जयप्रकाश चौरसिया की बाइक (न्च 53 ।श्र 6094) शुक्रवार शाम एसबीआई एटीएम के सामने से चोरी हो गई। जयप्रकाश ने बताया कि वे किसी काम से पीपीगंज आए थे और बाइक एटीएम के सामने खड़ी कर दुकानदार से मिलने गए। जब वे वापस लौटे, तो बाइक गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। जयप्रकाश ने थाना पीपीगंज में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

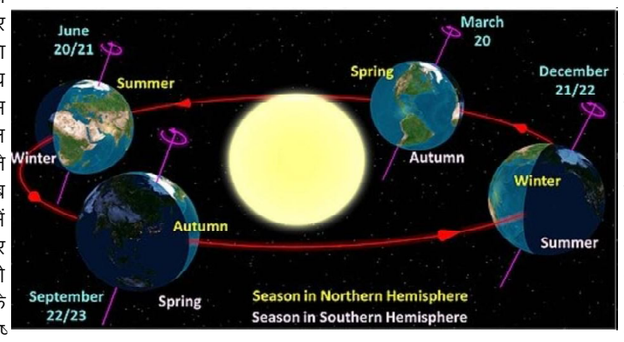

आटो की टक्कर से रेलवे फाटक क्षतिग्रस्त, बड़ा हादसा टला

पीपीगंज, गोरखपुर ।शनिवार अपराह्न लगभग 2 बजे पीपीगंज रेलवे स्टेशन के समपार फाटक 14ठ पर एक ऑटो (न्च 53 म्ज 7340) ने टक्कर मार दी, जिससे फाटक क्षतिग्रस्त हो गया। रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। आरपीएफ नकहा के एसआई सोनू जांगिड़ और सिग्नल विभाग के कर्मचारियों ने फाटक को तीन घंटे में ठीक किया। घटना के बाद रेलवे ने मैन्युअल तरीके से फाटक बंद कर ट्रेनों का संचालन जारी रखा। आरोपी ऑटो चालक के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 160 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भारत-इजराइल संबंधों पर संगोष्ठी का समापन, विशेषज्ञों ने रखे विचार

पीपीगंज, गोरखपुर। बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पीपीगंज के रक्षा अध्ययन विभाग के तत्वावधान में भारतीय वैश्विक परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ष्भारत–इजराइल संबंधरू अतीत से वर्तमान चुनौतियां और संभावनाएंष विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. श्रीशमणि त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि डॉ. महेंद्र कुमार सिंह, और मुख्य वक्ता प्रो. डी.एन. पांडेय सहित कई विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. जितेंद्र कुमार ने की, जबकि सह–अध्यक्षता डॉ. अंशुमान सिंह, डॉ. नरेंद्र शर्मा, और डॉ. विजय कुमार ने की।

अवैध आरा मशीनों के कारण सरकारी राजस्व और पेड़ों को हो रहा नुकसान

बस्ती। बांस गांव संदेश। एक ओर सरकार हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण और अन्य योजनाओं पर जोर दे रही है, वहीं दूसरी ओर अवैध आरा मशीनों के संचालन से पर्यावरण और सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंच रहा है। जनपद में कई स्थानों पर अवैध रूप से आरा मशीनें दिन और रात संचालित हो रही हैं, जिससे प्रतिबंधित पेड़ों की कटाई और तस्करी का खतरा बढ़ गया है ।सरकारी रोक के बावजूद अवैध आरा मशीनों का संचालन चिंता का विषय है। यह न केवल पर्यावरण को हानि पहुंचा रहा है, बल्कि सरकार की हरियाली और पर्यावरण संरक्षण की योजनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। इन मशीनों पर प्रतिबंधित प्रजातियों के पेड़ों, जैसे शीशम, सागौन, आम, नीम, सिरसा आदि की लकड़ियों को चीरने के मामले

ग्रेट माम व ग्रेट डैड कार्यक्रम में अभिभावकों का हुआ सम्मान

ब्रह्मपुर गोरखपुर। ब्रह्मपुर ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय अवरहियां में 21 दिसंबर 2024 को ग्रेट मॉम व ग्रेट डैड कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उन अभिभावकों को सम्मानित किया गया, जिनके बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं, गृहकार्य पूरा करते हैं और घर पर चार घंटे पढ़ाई करते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी भारत भूषण जायसवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कुल 10 बच्चों और उनके अभिभावकों को प्रशस्ति पत्र और सम्मान देकर प्रोत्साहित किया गया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक अनिल कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पुरानी रंजिश में दो युवकों पर हमला, एक बेहोशय आठ लोगों पर मामला दर्ज

झंगहा गोरखपुर। झंगहा थाना क्षेत्र के मोतीराम अड्डा चौराहे पर शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे पुरानी रंजिश के चलते मनबढ़ों ने दो युवकों पर जानलेवा हमला किया। घटना में एक युवक मौके पर ही बेहोश हो गया। परिजनों ने तत्काल उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया ।पीड़ित आश मोहम्मद की शिकायत पर पुलिस ने आठ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें आकाश, संदीप, मोहन, रवि, मुकेश सहित तीन अज्ञात शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों पर बीएनएस की धारा 191(2), 110, 115(2), 352, 351(2), और 351 (3) के तहत केस दर्ज किया है ।आश मोहम्मद ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर गांव के ही परसियान टोला निवासी कुछ लोग चौराहे पर गाली–गलौज कर रहे थे। मना करने पर उन्होंने लाठी–डंडा और रॉड से हमला कर दिया।

विधायक ने शोक संतप्त परिवार को बंधाया ढांढस

पिपरौली। बांसगांव संदेश ।सहजनवां के भाजपा विधायक प्रदीप शुक्ला ने देईपार गांव में युवा कांग्रेस नेता प्रभात पांडेय की असमय मृत्यु पर उनके परिवार से मुलाकात कर सांत्वना

शिकायती समाधान दिवस पर सख्त निर्देश

सदर । बांसगांव संदेश ।तहसील में आयोजित समाधान दिवस पर ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट मृणाली अविनाश जोशी ने शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विगत समाधान दिवस की शिकायतों का सत्यापन कर उनकी गुणवत्ता जांचने का भी आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण स्वयं मौके पर जाकर सुनिश्चित करें। इस अवसर पर तहसीलदार ध्रुवेश कुमार सिंह, नायब तहसीलदार अरविंद नाथ पांडेय सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मीनाक्षी सिंह को वुमन एम्पावरमेंट अवार्ड

सहजनवां । बांसगांव संदेश ।क्षेत्र की मीनाक्षी सिंह को लखनऊ में आयोजित एक समारोह में वुमन एम्पावरमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार प्रसिद्ध अभिनेत्री अमृता राव ने दिया। मीनाक्षी ने ऑनलाइन काम करते हुए समाज और क्षेत्र में अपना नाम रोशन किया। उनके पति अभय प्रताप सिंह, जो रेलवे में कार्यरत हैं ने उनके कार्यों में सहयोग दिया। मीनाक्षी ने वर्क फ्रॉम होम के माध्यम से महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनने का काम किया है। उनके इस सम्मान पर क्षेत्रवासियों और परिवारजनों ने खुशी व्यक्त की।

'पुलिस गश्त करने में थी मस्त, चोर कर रहे थे चोरी'

सहजनवा गोरखपुर बांसगांव संदेशरू खजनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत ककना के कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय में देर रात चोरों ने भीषण चोरी की। प्रधानाध्यापक विवेक चंद वर्मा ने बताया कि जैसे ही सुबह 8 बजे वे विद्यालय पहुंचे, उन्होंने देखा कि विद्यालय के मुख्य गेट और सभी कमरों के लगभग 12 ताले तोड़े गए थे। कमरों के सभी अलमारी तोड़कर विद्यालय में रखे सभी सामान चोरों ने ले लिए थे। इसकी सूचना

आल इंडिया इमाम संगठन के अध्यक्ष का भव्य स्वागत

गोरखपुर ।ऑल इंडिया इमाम संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना उमेर अहमद इलियासी का गोरखपुर में भव्य स्वागत किया गया।

एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए मौलाना का युवा साहित्यकारों और समाजसेवियों के प्रतिनिधिमंडल ने स्वागत किया। युवा कवयित्री आशिया गोरखपुरी और मिन्नत गोरखपुरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में मौलाना को पुष्पगुच्छ और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। मौलाना इलियासी ने गोरखपुर को ष्सूफी संतों की धरतीष बताते हुए आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में सैय्यद वसीम इकबाल, मोहम्मद हमजा, अरशद रही समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

52 वी राज्य स्तरीय बाल वैज्ञनिक प्रर्दांनी में नूरमा ने द्धितीय स्थान प्राप्त किया

लखनऊसंवाददाता। 52 वी राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024 17से 20 दिसम्बर 2024 तक एस0 एस0 वी0 इण्टर कालेज आयोध्या मेंआयोजित की गई जिसका मुख्य विषय सतत् भविष्य के लिए विज्ञान तथ्त प्रौधौगिकी उप विषय भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता था जिसमेंतालीम गाहे निस्वां इण्टर कालेज की कक्षा 10 वी की छात्रा नूरमा ने द्धितीय स्थान प्रप्त किया विज्ञान की सहायन अध्यापिका सीमा खान ने भी उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। तालीम गाहे निस्वा इण्टर कालेज के प्रबंधक आसिफ रज्जाक खान और प्रधानाचार्या

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।